



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 38] नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 19, 1987/माघ 30, 1908
No. 38] NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 19, 1987/MAGHA 30, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात-व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं 156 आई टी सी (पी एन)/85-88

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1987

विषय अप्रैल 1985—मार्च 1988 के लिए आयात-निर्यात नीति ।

का सं 6/55/85-ईपीसी.—वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना संख्या 1-आई टी सी (पी एन)/35-88, दिनांक 12 अप्रैल, 1985 के अंतर्गत प्रकाशित अप्रैल 1985—मार्च 1988 के लिए यथासंशोधित आयात-निर्यात नीति की ओर ध्यान दिलाया जाता है ।

2 नीति में निम्नलिखित संशोधन नीचे निर्दिष्ट उपयुक्त स्थानों पर किए जाएंगे —

क्रम	आयात-निर्यात नीति	संशोधन
सं.	1985-88(खड-I)	
	की पृष्ठ संख्या	संदर्भ
1	2	3
		4
1	288 (310)	परिशिष्ट-19 शुल्क छूट स्कीम वर्तमान पैरे को 1 (1) के रूप में पुन संख्यांकित किया जाएगा और इस पैरे के बाद निम्न-लिखित को जोड़ा जाएगा—

“(2) राज्य व्यापार निगम, खनिज तथा धातु व्यापार निगम या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा मनोनीत कोई अन्य सार्वजनिक उपक्रम शुल्क छूट स्कीम/पास बुक स्कीम के अधीन लाइसेंस धारकों को कच्चे माल, संघटक और उपभोग्यो की पूर्ति के लिए थोक कर मुक्त लाइसेंस प्रदान करने के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे । ऐसे थोक कर मुक्त लाइसेंसों में प्रत्येक से निर्यात आयात लागू नहीं होगा । ऐसे थोक लाइसेंसों के मद्दे प्रभावित आयातों को सीमा शुल्क बन्धित गोदामों में रखा जाएगा और इनकी वृद्ध अधिम रिजिज आवेशों के मद्दे निर्यातों को पूर्ति की जाएगी । आवेदन पत्र मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात नई दिल्ली को भेजे जाने होंगे ।

1	2	3	4
2. 288 (310)	परिशिष्ट-19 पैरा-2(1)	यह पैरा निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :- “2(1) पंजीकृत निर्यातकों को विनिर्माण के लिए और अन्तिम उत्पादों के निर्यात के लिए या ऐसे माल की प्रतिपूर्ति के लिए जो पहले ही निर्यातित माल के उत्पादन में खर्च हो गया है, के लिए छूट प्राप्त माल के आयात के लिए अधिम लाइसेंस राजस्व विभाग की अधिसूचना सं. 44/87 - सीमाशुल्क दिनांक 19-2-87 (इस परिशिष्ट के लिए अनुबन्ध-1) के अनुसार जारी किए जाएंगे।	
3. 288 (310)	परिशिष्ट-19 पैरा-4(2क)	इस पैरे की शर्त सं. (4) के बाद निम्नलिखित को शामिल किया जाएगा :- “(7) आवेदन पत्र की तारीख को पात्रता के प्रयोजनार्थ, निर्यात सदन/व्यापार सदन की स्थिति पर ही विचार किया जाएगा। इस स्थिति में बाद में ह्रास होने पर निर्यात सदन/व्यापार सदन की पात्रता पर विनिर्माताओं अधिम लाइसेंस धारकों के नाम में निर्यात करने के लिए वह निर्यात आभार पूरा करने तक कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा जो उन्होंने संयुक्त रूप से स्वीकार किया है।	
4. 289 (311)	परिशिष्ट-19 पैरा - 5	यह पैरा निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :- “अन्तिम उत्पादों के विनिर्माण के लिए अशुद्ध कच्चे माल, संघटकों, उपभोग्यों अतिरिक्त पुर्जों एवं पैकिंग सामग्री की मर्दे या तो वे निर्यात के लिए हो या विशिष्टीकृत परियोजना (ओ एन जी सी/ओ आई एल/जी ए आई एल) को पूर्ति के लिए हो, जैसा भी मामला हो, अधिम या विशेष अधिदाय लाइसेंस के मुद्दे भुगतान किए बिना ही वे आयात के लिए अनुमित हैं। तथापि, पंजीकृत विनिर्माता निर्यातकों के लिए अतिरिक्त पुर्जों का आयात, आयात लाइसेंस के लागत बीमा भाड़ा मूल्य के अधिकतम 5 प्रतिशत तक की शर्त के अधीन अनुमित किया जाएगा। उपभोग्य वस्तुओं का कर मुक्त आयात विनिर्माता निर्यातकों को केवल मानदंड के अनुसार ही अनुमित किया जाएगा। इस नीति के परिशिष्ट-2 भाग “क” में दी गई मर्दों का आयात अनुमित नहीं किया जाएगा। इस परिशिष्ट के अनुबन्ध 2 में सूचीबद्ध मत्र केवल मध्यस्थ उत्पादों के विनिर्माण के लिए अधिम लाइसेंसों के लिए ही अनुमित है।	
5. 289 (312)	परिशिष्ट-19 पैरा - 12(2)	इस उप-पैरे की चौथी पंक्ति में “अलग-अलग मामलों” शब्दों को “मुख्यालय की अधिम लाइसेंस समिति द्वारा अलग-अलग मामलों” द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।	
6. 290 (312)	परिशिष्ट-19 पैरा - 17 पंजीकरण का पत्तन	यह पैरा निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :- “17. इस स्कीम के अधीन लाइसेंस और कर मुक्त हकदारी प्रमाणपत्र एक ही पंजीकरण के पत्तन के लिए जारी किए जाएंगे और इस पत्तन के माध्यम से ही इनके अधीन आने वाली मर्दों के आयात एवं निर्यात के लिए वैध होंगे। यदि कोई आयात पंजीकरण के पत्तन के असाधा अन्य पत्तन से किए जाने हैं तो लाइसेंस धारक को सीमा शुल्क प्राधिकारी से संपर्क करना चाहिए जो ऐसी शर्त के अधीन अनुमति दे सकता है जो वे आवश्यक समझें। पंजीकरण के पत्तन से अन्य पत्तन के माध्यम से निर्यातों के मामले में कोई पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं है और पंजीकरण के पत्तन पर सीमाशुल्क प्राधिकारी को निर्यात के पत्तन वाले सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाएगी। कुछ मर्दों के मामले में, पंजीकरण का पत्तन इस परिशिष्ट के अनुबन्ध-1 में दी गई सीमाशुल्क अधिसूचना के उप पैरा “ब” में निर्दिष्ट अनु-सार होगा।	
7. 290 (312)	परिशिष्ट - 19 पैरा - 18	यह पैरा निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :- “यदि इस स्कीम के अधीन कर मुक्त लाइसेंसों के मर्दे कर मुक्त आयातित कच्चा माल, संघटक और उपभोग्य (सरणीबद्ध और गैर-सरणीबद्ध मर्दे दोनों) या तो सागणीबद्ध अधिकरणों या राज्य व्यापार निगम, सन्नित तथा धातु व्यापार निगम या किसी अन्य मनोनित अधिकरणों के पास पूर्ति के लिए उपलब्ध है तो लाइसेंसधारियों के लिए यह खुली छूट होगी कि वे सीधे आयात कर सकते हैं या वैध कर मुक्त लाइसेंस के अधीन कर मुक्त आयात के लिए ब्राब्र की हकदारी के अध्यापण के मर्दे अधिम रिलीज आदेश प्राप्त करके सार्वजनिक क्षेत्र के अधि-करणों के बन्धित स्टॉक से प्राप्त कर सकते हैं। रिलीज आदेश प्रदान करने का अनुरोध कर मुक्त लाइसेंस के लिए आवेदन देते समय या तो प्रारम्भ में उसके साथ ही किया जा सकता है या बाद में। परन्तु उन मामलों में जहां रिलीज आदेश के लिए अनुरोध बाद में किया जाता है तो रिलीज आदेश की वैधता को भूल कर मुक्त लाइसेंस की वैधता के साथ जोड़ने वाले समय के अनुरूप प्रतिबन्धित किया जाएगा। ऐसे रिलीज आदेश संबंधित लाइसेंस प्राधिकारी से प्राप्त किए जा सकते हैं।	

1	2	3	4
8. 290 (312)	परिशिष्ट - 19 पैरा - 20	यह पैरा निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :- “20 ऊँट भाड़े या विनियम दरों में वृद्धि की भिन्नता के मामले में लाइसेंस प्राधिकारी अनुरोध पर अधिम लाइसेंस समिति/क्षेत्रीय अधिम लाइसेंस समिति को लिखे बिना इस स्कीम के अधीन जारी किए गए लाइसेंस का लागत बीमा भाड़ा मूल्य बढ़ा सकते हैं बशर्ते कि निर्धारित निर्यात आभार का जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य भी यथानुपात आधार पर तदनु रूप बढ़ा दिया गया हो। तथापि, मुख्यानय और क्षेत्रीय अधिम लाइसेंस समितियाँ केवल विनियम दरों में वृद्धि की भिन्नता के कारण जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य में तदनु रूप वृद्धि का आग्रह किए बिना लागत बीमा भाड़ा मूल्य में ऐसी वृद्धि के अनुरोधों पर विचार कर सकती हैं बशर्ते कि ऐसी वृद्धि के उपरान्त मूल्य संकलन नीति में निर्धारित न्यूनतम मूल्य से कम न हो।	
9. 290 (312)	परिशिष्ट - 19 पैरा - 2(1)	(1) वर्तमान उप-पैरा 21(1) को “21” के रूप में पुनः संख्याकित किया जाएगा और निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा :- “21. इस स्कीम के अधीन जारी किए गए लाइसेंस पर प्राधिकार-पत्र जारी करने की सुविधा, यदि पात्र हो, हैड बुक के पैरे 118 और 119 में प्रावधानों के होते हुए भी उन सहायक विनिर्माताओं के लिए प्रतिबंधित होगा जिनके नाम (में) जारी किए गए कर मुक्त हकदारी प्रमाण-पत्र में उल्लिखित है (हैं) कर-मुक्त हकदारी प्रमाण पत्र में उल्लिखित सहायक विनिर्माता अथवा लाइसेंसधारी से भिन्न किसी भी व्यक्ति को इस स्कीम के अधीन जारी किए गए लाइसेंस के तहत कोई भी साधन-पत्र खोलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह सुविधा निर्यात/आयात सदन को भी उपलब्ध होगी”। (2) उप-पैरा 21 (2) को हटा दिया जाएगा।	
10. 290 (313)	परिशिष्ट - 19 पैरा - 23(1)	यह पैरा निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :- “23(1) निर्यात आभार को पूरा करने के लिए निर्धारित अवधि इस प्रकार से है :-	
		क्रम सं.	निर्यात उत्पाद
			अवधि
		1.	परियोजना/तैयार परियोजनाओं के लिए सबे
			निर्यात संभरण की संविदा अवधि तक
		2.	इंजीनियरिंग सबे (उपयुक्त) (1) में शामिल सबे को 12 महीने छोड़कर
		3.	मैटेरिअल (आवृत्तियों अथवा विधियों)
			6 महीने
		4.	अन्य
			9 महीने
11. 290 (313)	परिशिष्ट - 19 पैरा - 23(2)	इस उप-पैरे की तीसरी और आठवीं पंक्ति में “तीन” शब्द को “छ” शब्द द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।	
12. 291 (313)	परिशिष्ट - 19 पैरा - 24(2)	इस पैरे की 12वीं पंक्ति में “गुब्बालय” शब्द को हटा दिया जाएगा।	
13. 291 (313)	परिशिष्ट - 19 पैरा - 24(4)	अंतिम पंक्ति में “लेखा परीक्षा” को हटा दिया जाएगा।	
14. 291 (313)	परिशिष्ट - 19 पैरा - 24(5)	यह पैरा निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :- “(5) मध्यस्थ उत्पादों के लिए अधिम लाइसेंसों के अधीन प्रभावित आपूर्तियों के माध्यम से मध्यस्थ उत्पाद के लिए अन्य अधिम लाइसेंसधारक को अथवा विशेष अथवा लाइसेंस के अधीन संबंधित परियोजना प्राधिकारियों को मध्यस्थ स्कीम के अधीन अधिम लाइसेंसधारक अथवा संबंधित परियोजना प्राधिकारियों को जैसा भी मामला हो विवेकाधिकार द्वारा सम्बद्ध कर-मुक्त हकदारी प्रमाण-पत्रों पर प्रभावित प्रविष्टियाँ पर्यगित होगी। लेकिन उन मध्यस्थ उत्पादों की मधवाई के लिए जारी किए गए अधिम लाइसेंसों के संबंध में जहाँ पर ऐसी सफाई उस एकक में प्रभावित हैं जो स्वतन्त्र व्यापार क्षेत्र/100 प्रतिशत निर्यात आधार उपयोगिता में है और कर मुक्त हकदारी प्रमाण-पत्रों में संलग्न गलतियों से भी संबंधित हैं तो ऐसी प्रविष्टियों को विकास आयुक्त अथवा पर्यन्त/क्षेत्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी जैसा भी मामला हो द्वारा प्रदान की जाएगी।	
15. 291 (313)	परिशिष्ट - 19 पैरा - 24(6)	आठवीं पंक्ति में शब्द “लेखा-परीक्षा” को हटा दिया जाएगा।	

1	2	3	4
16. 291 (313)	परिशिष्ट - 19 पैरा - 27(1)	प्रथम पंक्ति में शब्द "में" को "मंतर्गत" द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।	
17. 292 (314)	परिशिष्ट-19 पैरा - 28	यह पैरा निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :- "28. इस स्कीम के अंतर्गत एक निर्यातक को जारी किए गए लाइसेंसों के मद्दे लागू निर्यात आभार को पूरा करने में प्रभावित निर्यातों पर कोई भी आर ई पी हकदारी नहीं मिलेगी। लेकिन, निर्यातों की किसी भी आधिक्य मात्रा के मामले में निर्यातक इस नीति के परिशिष्ट-17 के अनुसार केवल आधिक्य मात्रा के निर्यात पर बमूल की गई जहाज पर निःशुल्क लदान मूल्य के लिए ही सामान्य आर ई पी के लिए ही हकदार होंगे। इस प्रयोजन के लिए निर्यातों की आधिक्य मात्रा पर बमूल की गई समानुपातिक जहाज पर निःशुल्क लदान मूल्य की गणना की जाएगी और सम्बद्ध लाइसेंसिंग प्राधिकारी, बाण्ड/विधिक करार का विमोचन करने समय, प्रतिपूर्ति लाइसेंस प्राप्त करने के लिए पंजीकृत निर्यातक साथ-साथ आधिक्य हकदारी प्रमाण-पत्र जारी करेगा ऐसे आधिक्य हकदारी प्रमाण-पत्र इनके जारी होने की तिथि में भीत माप की अत्रिधि के लिए वैध होगा और इन आधिक्य हकदारी प्रमाण-पत्रों के आधार पर पंजीकृत निर्यातक प्रतिपूर्ति लाइसेंसों के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह स्पष्ट किया गया है कि कर-मुक्त हकदारी प्रमाण-पत्र के मुद्दे समंजित नहीं किया जा सकता क्योंकि प्रत्येक कर-मुक्त हकदारी प्रमाण-पत्र का लेखा अलग से करना होता है।"	
18. 293 (315)	परिशिष्ट - 19 पैरा - 30 छूट प्राप्त माल का उपयोग	इस पैरा को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :- "30. इस स्कीम के अधीन लाइसेंस के मद्दे आवांशित छूट प्राप्त माल जहाँ यह प्रतिपूर्ति के जरिये प्राप्त किया गया हो उसे छोड़कर कर-छूट हकदारी प्रमाण-पत्र में विशिष्टीकृत परिणामी उत्पाद के विनिर्माण के लिए उपयोग में लाया जाएगा। ऐसा माल किसी भी स्थिति में उधार, लेजा या हस्तांतरित अथवा अन्य प्रकार से निपटाया नहीं जाएगा। उन मामलों में जहाँ लाइसेंस पर आयात करने से पूर्व निर्यात आभार आंशिक या पूर्ण रूप से पूरा कर लिया जाता है, वहाँ वास्तविक उपयोगिता शर्तों के आधार पर विनिर्माता-निर्यातक आगे के निर्यात/बरेलू उत्पादन के लिए प्रतिपूर्ति सामग्री का उपयोग कर सकता है। इसी प्रकार में लाइसेंसिंग प्राधिकारी व्यापारी निर्यातक के इस सम्बद्ध समर्थक विनिर्माता का जिसका नाम आगे के निर्यात/बरेलू उत्पादन के लिए कर छूट हकदारी प्रमाण-पत्र में है, छूट प्राप्त प्रतिपूर्ति सामग्री की स्थल लागत पर प्रतिपूर्ति सामग्री के हस्तांतरण करने के लिए वास्तविक उपयोगिता की शर्तों के अधीन अनुरोध पर विचार कर सकता है।"	
19. 293 (315)	परिशिष्ट - 19 पैरा-32	इस पैरा के बाद निम्नलिखित को जोड़ दिया जाएगा :- "निर्यात नीति लागू होना। (इस स्कीम के अंतर्गत जारी किए गए लाइसेंस लागू निर्यात नीति के प्रावधानों के अनुरूप होंगे।)	
20. 294-305 (317-328)	परिशिष्ट-19 का अनुबन्ध 1	सारा अनुबन्ध-1 इस सार्वजनिक सूचना के संलग्न अनुबन्ध "क" द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।	

बाणिज्य संचालन की सार्वजनिक सूचना सं.-2-आई टी सी (पी एन)/85-88, दिनांक 12-4-85 के अधीन प्रकाशित आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक, 1985-88 की ओर भी ध्यान दिलाया जाता है। उक्त पुस्तक में निम्नलिखित शुद्धियाँ/संशोधन नीचे निबिष्ट उपयुक्त स्थानों पर की गई समझी जाएंगी :-

क्र. सं.	आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक, 1985-88 की पृष्ठ सं.	संघर्ष	शुद्धियाँ/संशोधन
1	2	3	4
1.	271 (295)	परिशिष्ट-6क भाग-2 (विशेष धनप्रदाय लाइसेंसिंग को छोड़कर अन्य श्रेणियों के लिए लागू)	इस क्रम सं. के पश्चात् निम्नलिखित नई प्रविष्टि जोड़ दी जाएगी :- "2क--क्या इस आवेदन पत्र में जिस निर्यात आदेश/संविदा के लिए आवेदन किया है उसके लिए पहले कोई अधिम लाइसेंस(सों) को जारी किया गया है, यदि हाँ, तो, उसमें मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात/क्षेत्रीय संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात/क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी के कार्यालय की काहल नम्बर सहित लागत बीमा भाड़ा/जहाज पर निःशुल्क मूल्य का उल्लेख किया जाए।"
		क्रम सं० 2	

1	2	3	4														
2.	272 (295)	परिशिष्ट-16क भाग-2 (विशेष अग्रदाय लाइसेंसिंग योजना के लिए लागू) ----- क्रम सं० 1	इस क्रम सं. के पश्चात् निम्नलिखित तर्क प्रविष्टि जोड़ दी जाएगी :--- “1क. क्या इस आवेदन-पत्र में जिस आपूर्ति आदेश/संविदा के लिए आवेदन किया है उसके लिए पहले कोई विशेष अग्रदाय लाइसेंस(सों) को जारी किया गया है, यदि हाँ तो, उसमें मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात/क्षेत्रीय संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात/क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी के कार्यालय की फाइल नम्बर सहित लागत-बीमा-भाड़ा/जहाज पर निःशुल्क मूल्य का उल्लेख किया जाए।														
3.	273 (296)	परिशिष्ट-16क ----- भाग-3	इस परिशिष्ट में वर्तमान भाग-3 के बाद निम्नलिखित को जोड़ दिया जाएगा :--- भाग-3क नियमित विनिर्माणक कार्यकलापों के व्योरे (1) इस आवेदन-पत्र के मद्दे परिणामी उत्पाद(दों) के विनिर्माण में कसा चाटें की सहायता से निहित विनिर्माणक कार्यकलापों की प्रक्रिया का व्योरा दे।														
4.	273 (296)	परिशिष्ट 16क भाग-4 क्रम सं 2	क्रम सं. 2 में वर्तमान व्योरे को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :--- “क्या यह आवेदन-पत्र पुनरावृत्ति के आधार पर है अर्थात् जिन मर्चों के लिए और जिन निवेश-उत्पादन मानकों के आधार पर अब आवेदन किया गया है उन्ही मर्चों के निर्यात/आयात के लिए मुख्यालय की प्रथिम लाइसेंस समिति की सिफारिश पर पहले कोई प्रथिम लाइसेंस जारी किया गया है, यदि हाँ, तो मु. नि., आ. नि./क्षेत्रीय स. मु. नि., आ. नि. और क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारियों के कार्यालय की संगत फाइल संख्या दी जाए।”														
5.	273 (296)	परिशिष्ट-16क भाग-4 क्रम सं 3	वर्तमान व्योरा हटा दिया जाएगा और निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :--- “कर छूट योजना के अन्तर्गत उन सभी लाइसेंसों का व्योरा जिनके संबंध में निम्नलिखित ढंग से स्थिति वर्णित हुए निर्यात आभार बकाया है।														
<table><tr><td>लाइसेंस सं. तथा तारीख यह उल्लेख करे कि यह उत्पादन कार्यक्रम अथवा निर्यात आदेश के मद्दे जारी किया गया है।</td><td>मु. नि., आ. नि./ क्षेत्रीय स. मु. नि., आ. नि. पतन लाइसेंसिंग प्राधिकार की फाइल संख्या</td><td>लाइसेंस प्राधिकारी का नाम</td><td>प्राधिकृत लागत- बीमा-भाड़ा मूल्य</td><td>समुपयोजित लागत-बीमा भाड़ा मूल्य</td></tr><tr><td>1</td><td>2</td><td>3</td><td>4</td><td>5</td></tr></table>				लाइसेंस सं. तथा तारीख यह उल्लेख करे कि यह उत्पादन कार्यक्रम अथवा निर्यात आदेश के मद्दे जारी किया गया है।	मु. नि., आ. नि./ क्षेत्रीय स. मु. नि., आ. नि. पतन लाइसेंसिंग प्राधिकार की फाइल संख्या	लाइसेंस प्राधिकारी का नाम	प्राधिकृत लागत- बीमा-भाड़ा मूल्य	समुपयोजित लागत-बीमा भाड़ा मूल्य	1	2	3	4	5				
लाइसेंस सं. तथा तारीख यह उल्लेख करे कि यह उत्पादन कार्यक्रम अथवा निर्यात आदेश के मद्दे जारी किया गया है।	मु. नि., आ. नि./ क्षेत्रीय स. मु. नि., आ. नि. पतन लाइसेंसिंग प्राधिकार की फाइल संख्या	लाइसेंस प्राधिकारी का नाम	प्राधिकृत लागत- बीमा-भाड़ा मूल्य	समुपयोजित लागत-बीमा भाड़ा मूल्य													
1	2	3	4	5													
<table><tr><td>नवाया गया जहाज पर निःशुल्क मूल्य</td><td>वास्तविक जहाज पर निःशुल्क मूल्य</td><td>निर्यात आभार प्रति- पूति का प्रतिशत</td><td>क्या बैंक गारण्टी निष्पादित की है या विधिक बचनपत्र दिया है</td><td>निर्यात आभार पूर्ण करने के लिए अनुमति समय सीमा की तिथि अवधि</td><td>निर्यात आभार पूर्ण न करने के कारण”</td></tr><tr><td>6</td><td>7</td><td>8</td><td>9</td><td>10</td><td>11</td></tr></table>						नवाया गया जहाज पर निःशुल्क मूल्य	वास्तविक जहाज पर निःशुल्क मूल्य	निर्यात आभार प्रति- पूति का प्रतिशत	क्या बैंक गारण्टी निष्पादित की है या विधिक बचनपत्र दिया है	निर्यात आभार पूर्ण करने के लिए अनुमति समय सीमा की तिथि अवधि	निर्यात आभार पूर्ण न करने के कारण”	6	7	8	9	10	11
नवाया गया जहाज पर निःशुल्क मूल्य	वास्तविक जहाज पर निःशुल्क मूल्य	निर्यात आभार प्रति- पूति का प्रतिशत	क्या बैंक गारण्टी निष्पादित की है या विधिक बचनपत्र दिया है	निर्यात आभार पूर्ण करने के लिए अनुमति समय सीमा की तिथि अवधि	निर्यात आभार पूर्ण न करने के कारण”												
6	7	8	9	10	11												

1	2	3	4
6.	275 (298)	परिशिष्ट-16(ख) अधिम/अध्याय लाइसेंस के अंतर्गत निर्यात आभार की अवधियों में वृद्धि करने के लिए अतुरोध करने के लिए आवेदन- पत्र का प्रपत्र क्रम सं.-4	(1) इस क्रम सं. की क्र.सं. (3) का विवरण निम्न द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :— “आयात के लिए अनुमित मात्रा तथा लागत-सीमा-भाड़ा मूल्य” (2) इस क्रम संख्या का क्रम संख्या (4) का विवरण निम्न द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :— “वास्तव में आयात की मात्रा तथा लागत-सीमा-भाड़ा मूल्य”
7.	275 (298)	परिशिष्ट-16(ख) क्रम संख्या 5 तथा 6	वर्तमान कालम संख्या 5 तथा 6 को हटा दिया जाएगा तथा कालम 5 में निम्नानुसार जोड़ा जाएगा :— “मात्रा तथा मूल्य के अनुसार पूर्ण निर्यात आभार का प्रतिगहन”
8.	275 (298)	परिशिष्ट-16(ख)	वर्तमान क्रम सं. 5 के बाव नयी क्रम संख्या जोड़ी जाएगी :— “5(क) आयातित माल की प्रथम प्रेषित मात्रा का समाशोधन की तारीख”
9.	275 (298)	परिशिष्ट-16(ख) क्रम सं. 11	क्रम संख्या के विवरणों को निम्न द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :— “(क) क्या आपकी निर्यात आभार परिपूर्ण न करने पर लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया जा चुका है; (ख) यदि ऐसा है तो, क्या आपको देणी घोषित किया जा चुका है; (ग) क्या लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा बैंक गारंटी अथवा विविध करार के साथ आठ के अस्वीकरण आदेश लागू किया जा चुका है। कृपया उसका विवरण दें।”
10.	280-284 (303-307)	परिशिष्ट-16-ड. कर छूट हफ्तवारी प्रमाण-पत्र	प्रमाण-पत्र में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे :— (1) भाग-1 अद्यात में 18वीं और 19वीं पंक्ति में “और बैंकिंग सं. 117-कस्टम, दिनांक 9-6-78” शब्दों को “सं. 44-कस्टम, दिनांक 19-2-87” द्वारा स्थापित किया जाएगा। (2) भाग-ब में कालम 7 के विवरण को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :— “कस्टम टैरिफ अधिनियम, 1975 की प्रथम अनुसूची की शीर्षक संख्या और अतिरिक्त शुल्क लगाने के लिए केंद्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 की अनुसूची में शीर्षक संख्या” (3) भाग-छ में कालम 5 के विवरण को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :— “(i) शुल्क (ii) ब्याज की धनराशि” (4) भाग ज में—“(ज)” की अंतिम पंक्ति को कोष्ठक में शब्द “की धारा (1)” शब्द हटा दिया जाएगा। (5) भाग ज में (ग) के वर्तमान विवरण को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :— “(ग) भाग-घ में क्रम सं. पर यथा विनिर्दिष्ट छूट प्राप्त माल को भाग-च की क्रम सं. पर विनिर्दिष्ट किए गए के अनुसार अनिवार्य अतिरिक्त पुर्जों के रूप में निर्यात किया गया है।” (6) वर्तमान क्रम सं. (घ) को क्रम सं. च के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और निम्नलिखित को (घ) के रूप में जोड़ा जाएगा :— “(घ) भाग-ब की क्रम संख्या (एम) ... में यथा विनिर्दिष्ट छूट प्राप्त माल के अनुरूप माल का उपयोग भाग-ब की क्रम सं. (एम) ... पर विनिर्दिष्ट किए गए के अनुसार निर्यातित माल के विनिर्माण में किया गया है।”

4. अपर्युक्त संशोधन लोकहित में किए गए हैं।

5. कालम (2) में कोष्ठकों में दी गई संख्या आयात निर्यात नीति पुस्तक तथा आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक यथासंशोधित के पृष्ठ संख्या को बताते हैं।

राजीव सोहन मिश्र, मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात

सार्वजनिक सूचना सं. 156 आई टी सी (पी एन)/85-88

दिनांक फरवरी, 1987 के लिए अनुसूच-1

अनुसूच 'क'

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1987

प्रधिसूचना

सं. 44/87-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 101.—(प्र) केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की अध्याय (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 117/सीमाशुल्क सा.का.नि. 318(प्र), तारीख 9 जून, 1978 को अधिसूचित करने हुए, यह मनाया हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, आयात (निर्यात) आदेश, 1955 के अधीन जारी की गई अधिसूचना पर भारत में आयात किए गए माल को अथवा अधिसूचित आदेश पर अधिप्राप्त ऐसी सामग्रियों को जिनका उत्पादों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् परिणामी उत्पाद कहा गया है) के विनिर्माण के प्रयोजन के लिए आयात किया जाना अपेक्षित है अथवा परिणामी उत्पादों के विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्री को प्रतिपूर्ति के लिए या दोनों के लिए अथवा एक या अधिक निर्यात आदेशों के उत्पादन के लिए परिणामी उत्पादों के माध्यम आयातक (एक्सपोर्ट) अतिरिक्त उत्पादों के रूप में निर्यात के लिए सामग्री पर, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट उन पर उद्ग्रहणीय समस्त सीमाशुल्क में और उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त अतिरिक्त शुल्क से निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, यथा:—

(क) आयातित सामग्री जिनका मूल्य, मात्रा, विवरण, क्वालिटी तथा तकनीकी विशेषताएँ, जो कि शुल्क छूट हकदारी प्रमाणपत्र (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रमाणपत्र कहा गया है) के भाग ग में विनिर्दिष्ट है, के संबंध में, इस अधिसूचना की द्वितीय अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्रारूप में समिति द्वारा मंजूर किए गए उक्त प्रमाणपत्र के अन्वयित होती है;

(ख) निकासी के समय, ऐसी आयातित सामग्री का आयातकर्ता—

(1) सीमाशुल्क कलक्टर के समक्ष ऐसी छूट का वाचा लिखित रूप में करता है और केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित प्राधिकारी के समक्ष इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट शर्तों के अनुपालन के लिए बंधपत्र निष्पादित करता है;

(2) सहस्रक सीमाशुल्क कलक्टर के समक्ष ऐसी घोषणा करता है कि वह मांग किए जाने पर उक्त आयातित सामग्री पर, जिसके संबंध में इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट शर्तों का अनुपालन नहीं किया गया है, यदि छूट न होती तो उद्ग्रहणीय शुल्क के समतुल्य रकम का संदाय करने के लिए बंधनबद्ध है;

(ग) उक्त प्रमाणपत्र में यथाविनिर्दिष्ट मुख्य, मात्रा, विवरण, क्वालिटी और तकनीकी विशेषताओं के संबंध में परिणामी उत्पादों के समतुल्य माप का, उक्त प्रमाणपत्र की मंजूरी के पश्चात्, उसमें विनिर्दिष्ट समय के भीतर या उत्तरी बढाई गई अवधि के भीतर, जो समिति द्वारा मंजूर हो जाए, निर्धारित कर दिया जाएगा;

(घ) छूट प्राप्त सामग्रियों का उपयोग उक्त प्रमाणपत्र के भाग ड. में विनिर्दिष्ट परिणामी उत्पादों के लिए अथवा आयातक अतिरिक्त उत्पादों के निर्यात के लिए किया जाएगा और उनके किसी भाग का विक्रय नहीं किया जाएगा, उधार, नहीं दिया जाएगा, अंतरित नहीं किया जाएगा या किसी अन्य रीति में व्यय नहीं किया जाएगा।

परन्तु जहाँ ऐसी छूट प्राप्त सामग्री को निर्यात किए गए परिणामी उत्पादों के विनिर्माण की सामग्री की प्रतिपूर्ति के लिए अंतर्गत किया जाता है, वहाँ अधिसूचित आयातक आयात विनिर्माण-निर्यातकर्ता के रूप में प्रतिपूर्ति सामग्री का उपयोग, अतिरिक्त उत्पादन के लिए आयातित उपयोगकर्ता शर्तों के अधीन रहते हुए, कर सकेगा;

(ङ) यदि माल नाइलान काइबर, नाइलान सूत, नाइलान फैब्रिक पायियस्टर काइबर, पायियस्टर सूत, पायियस्टर वैशिक, स्टेन-लेस स्टील शीट, स्टेनलेस स्टील स्ट्रिप, मुख्यकीय टेप, बहुमूल्य धातु, बहुमूल्य धातु से ठोकी हुई धातु और उनकी वस्तुओं के हैं तो आयात केवल कान्कला, मुम्बई, कोचीन, मद्रास, तिरुवाण्टूर और कलकत्ता के किन्हीं समुद्री पोर्टों के माध्यम से या मुम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास और बंगलूर के वायुमार्गों में से किसी के माध्यम से या दिल्ली या बंगलूर पर आंतरिक कन्टेनर डिपो में से किसी के माध्यम से किया जाएगा और परिणामी उत्पादों का निर्यात, जिनमें ऐसे माल का उपयोग किया जाता है, केवल उक्त रास्ते वस्तु या वायुमार्ग या आंतरिक कन्टेनर डिपो के माध्यम से होगा;

(च) आयातक अतिरिक्त उत्पादों का आयात अधिसूचित के मुख्य के 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

साटीकरण : इस अधिसूचना में—

(1) "समिति" से केन्द्रीय सरकार द्वारा भारत सरकार के विषय मंत्रालय के तत्समय प्रवृत्त कार्यालय स्थापित 1(3)/66-ई सी, तारीख 26 जून, 1967 के अधीन गठित, तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा समय पर पुनर्गठित, अन्तर्विभागीय समिति अभिप्रेत है;

(2) "छूट प्राप्त सामग्री" से अभिप्रेत है आयातित सामग्री और जो उक्त प्रमाणपत्र के भाग "ग" में विनिर्दिष्ट है और इस अधिसूचना के अधीन छूट के लिए पात्र है;

(3) "अधिसूचित पर आयातित" के अन्वयित, तत्समय प्रवृत्त आयात और निर्यात नीति के निबन्धनों के अनुसार सी.पी.एल. के अधीन जिनके लिए निकासी के समय सीमाशुल्क नियंत्रण के बाह्य, निर्यातकर्ता द्वारा विधिमाम्य अधिसूचित अनुज्ञप्ति प्रस्तुत किया जाता है, आयातित माल है;

(4) "अनुज्ञप्ति धारी प्राधिकारी" से आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के अधीन बनाए गए आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के अधीन अनुज्ञप्ति मंजूर करने के लिए सक्षम प्राधिकारी अभिप्रेत है।

(5) "आयातक अतिरिक्त उत्पाद" से परिणामी उत्पादों के ऐसे भाग जिनका आवश्यक रूप से अतिरिक्त उत्पाद के रूप में, सुसंगत निर्यात आदेश या प्रतिस्थापन संविदा अनुसार प्रेषित किया जाता है, यदि वे दोषमुक्त या पुराने हो जाते हैं।

- (6) "सामग्री" से ऐसा माल अभिप्रेत है जो कच्ची सामग्री, संघटक मध्यवर्ती उत्पाद या उपोद्योग है और जिनका परिणामी उत्पादों और उनके पैक करने या आयातक अनिवार्य उत्पादों के साथ निर्यात किया जाता है।
- (7) "अग्रिम निर्मात आदेश पर अभिप्राय आदेश" से अभिप्रेत है किसी माध्यम अभिकरण से निर्मात आदेश के निबन्धनों के अनुसार प्राप्त माल या किसी पब्लिक सेक्टर व्यापार या सर्विस अभिकरण को अग्रिम अनुमति आदेशों की श्रेष्ठियों को पूरा करने के लिए थोक में अनुज्ञात माल, जहाँ उक्त अभिकरणों द्वारा माल आयात किए जाते हैं और सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अध्याय 10 के अनुसार बंटाया किए जाते हैं ;

- (8) "निर्मात आदेश" से अनुमति प्राधिकारी द्वारा, शुल्क छूट स्कीम (उस समय प्रचलित आयात और निर्यात नीति में अनिवार्य) के अंतर्गत संबंधित माध्यम या पब्लिक सेक्टर व्यापार और सर्विस अभिकरण को ऐसे माल के निर्मात के लिए जिन्हें पहले ही आयात और सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अध्याय 9 के अधीन बंटाया किया गया है, माली किया गया ;

- (9) "परिणामी उत्पाद" से उक्त प्रमाणन के साथ "ब." में विनिर्दिष्ट माल अभिप्रेत है ;

*सीमाशुल्क अधिनियम के अन्तर्गत अंतर्गत में उक्त के छूट अधिभूति है।

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 156 —ITC(PN)/85-88

New Delhi, the 19th February, 1987

Subject :—Import & Export Policy for April, 1985—March, 1988.

F. No. 6/55/85-EPC:—Attention is invited to the Import & Export Policy for April, 1985—March 1988, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC(PN)/85-88 dated the 12th April, 1985 as amended.

2. The following amendments shall be made in the policy at appropriate places indicated below :—

Sl. No.	Page No. of Import and Export Policy 1985-88 (Vol. I)	Reference	Amendment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	288 (310)	Appendix-19 Duty Exemption Scheme Para—1	The existing para shall be re-numbered as 1(1) and following shall be added after this para :— "1(2) STC, MMTC or any other public sector agency designated by the Chief Controller of Imports and Exports will be eligible to apply for grant of Bulk Duty Free licences for import of raw materials, components and consumables for supplying them to holders of licences under Duty Exemption Schemes/Pass Book Scheme. Such Bulk Duty Free licences will not carry a separate export obligation. Imports effected against such bulk licences will be kept in the Customs Bonded warehouses and can be supplied to exporters against valid advance release orders. Applications are to be made to the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi."
2.	288 (310)	Appendix-19 Para-2(1)	This para shall be substituted by the following :— "2(1). Advance licences are issued to registered exporters for import of exempt materials in terms of Deptt. of Revenue Notification No. 44 Customs dated 19th Feb. 87 (Annexure-I to this Appendix) for manufacture and export of the resultant products or to replenish the materials which have gone into production of goods already exported."
3.	288 (310)	Appendix-19 Para-4(2A)	The following shall be inserted after condition (vi) in this para : "(vii). For the purpose of eligibility, the status of Export House/Trading House on the date of application will only be considered. Subsequent loss of status will not affect the eligibility of the Export House/Trading House to export on behalf of the Advance Licence holder till the fulfilment of the Export Obligations which has been jointly accepted."

(1)	(2)	(3)	(4)
4.	288-289 (311)	Appendix-1 Para-5	<p>This para shall be substituted by the following :—</p> <p>“5. Items of raw materials, components, consumables, mandatory spares and packing materials required for manufacture of the resultant products either for export or for supply to specified projects are allowed for import without payment of duty against Advanced or Special Import licence as the case may be. Import of mandatory spares will, however, be allowed subject to a maximum of 5% of the c.i.f. value of the import licence only to registered manufacturer-exporters. Duty free import of consumables will also be allowed only to the registered manufacturer-exporters as per norms. Items figuring in Appendix 2 Part-A of this Policy will not be allowed. Advance licences for manufacture of intermediate products only items listed in Annexure-II to this Appendix are allowed for import.”</p>
5.	289 (312)	Appendix-19 Para-12(2)	<p>In the fourth line of this sub-para, the words “individual cases” shall be substituted by the words “individual cases by the Headquarters Advance Licensing Committee”.</p>
6.	290 (312)	Appendix-19 Para-17 Port of Registration	<p>This para shall be substituted by the following:—</p> <p>“17. The licence and the DEFC under this scheme will be issued with a single Port of Registration and will be valid for Import and Export of the items covered by them through this port. If any imports are to be effected from a port other than the port of registration, the licence holder will have to approach the Customs authorities who may be grant permission subject to such condition as they may deem fit. In case of exports through a port other than the Port of Registration, no prior clearance will be necessary and the Customs authority at the Port of Registration will be kept informed of the exports by the Customs authority at the port of exports. In respect of certain items, the port of registration will be as indicated in sub-para ‘O’ of the Customs Notification in Annexure-I to this Appendix.”</p>
7.	290 (312)	Appendix-19 Para-18	<p>This para shall be substituted by the following :—</p> <p>“18. In case Duty Free imported raw materials, components and consumables (both canalised and non-canalised items) are available with either the canalising agency or the STC, MMTC or any other designated agencies for supply against Duty Free licences under this scheme it will be open to the licence holder to import these items directly or obtain supplies from the bonded stocks of the Public Sector Agencies by obtaining an advance release order against surrender of equal entitlement of duty free import under a valid duty free licence. Request for grant of release order can either be made initially at the time of application for duty free licence itself or subsequently. However, in cases where request for release order is made subsequently, the validity of release order will be restricted to coincide with the validity of the original duty free licence. Such release orders could be obtained from the concerned licensing authority.”</p>
8.	290 (312)	Appendix-19 Para-20	<p>This para shall be substituted by the following :—</p> <p>“20. In the case of higher freight or upward variation in exchange rates, the licensing authorities may without a reference to the ALC/RALC, on request, enhance the c.i.f. value of the licence issued under this Scheme, provided the f.o.b. value of export obligation prescribed is also correspondingly enhanced on pro-rata basis. However, the head-quarter and the Regional Advance Licensing Committees may consider requests for such enhancement in c.i.f. value without insisting on corresponding increase in fob value on account of upward variation in the exchange rates only, provided the value addition after such enhancement is not less than the minimum prescribed in the Policy.”</p>

(1)	(2)	(3)	(4)															
9.	290 (312)	Appendix-19 Para-21(1)	<p>(i) The existing sub-para 21(1) shall be renumbered as "21" and shall be substituted by the following :</p> <p>"21. On a licence issued under this Scheme, the facility of issuing letter of authority if eligible, will be restricted to the supporting manufacturer(s) whose name(s) appear(s) in the DEEC issued, notwithstanding the provision in paras 118 and 119 of the Hand Book. No Letter of Credit shall be allowed to be opened against a licence issued under this scheme by a person other than the licensee or the supporting manufacturers shown in the DEEC. This facility will also be available to Export/Trading House."</p> <p>(ii) Sub-Para 21(2) shall be deleted.</p>															
10.	290 (313)	Appendix-19 Para-23(1)	<p>This para shall be substituted by the following :--</p> <p>"23. (1). The period prescribed for fulfilment of the export obligation is as follows :—</p> <table><tr><th>Sl. No.</th><th>Export Product</th><th>Period</th></tr><tr><td>1.</td><td>Items for Project/Turnkey Projects</td><td>Till the contracted duration of the export/supply."</td></tr><tr><td>2.</td><td>Engineering items [other than those covered by (1) above]</td><td>12 months.</td></tr><tr><td>3.</td><td>Cassettes (Audio or Video)</td><td>6 months.</td></tr><tr><td>4.</td><td>Others</td><td>9 months.</td></tr></table>	Sl. No.	Export Product	Period	1.	Items for Project/Turnkey Projects	Till the contracted duration of the export/supply."	2.	Engineering items [other than those covered by (1) above]	12 months.	3.	Cassettes (Audio or Video)	6 months.	4.	Others	9 months.
Sl. No.	Export Product	Period																
1.	Items for Project/Turnkey Projects	Till the contracted duration of the export/supply."																
2.	Engineering items [other than those covered by (1) above]	12 months.																
3.	Cassettes (Audio or Video)	6 months.																
4.	Others	9 months.																
11.	290 (313)	Appendix-19 Para-23(2)	In the 3rd and 8th lines of this sub-para the word 'three' shall be substituted by 'six'.															
12.	291 (313)	Appendix-19 Para-24(2)	In the 12th line of this para the word "Hqrs./" shall be deleted.															
13.	291 (313)	Appendix-19 Para-24(4)	In the last line the word 'audited' shall be deleted.															
14.	291 (313)	Appendix-19 Para-24(5)	<p>This para shall be substituted by the following :—</p> <p>"(5). In case of supplies effected under Advance Licences for Intermediate products to another Advance Licence holder for Intermediate products or under Special Imprest Licence to the project authorities concerned, the entries effected on the DEECs concerned by the seller/buyer Advance Licence holder under the Intermediate Scheme, or the project authorities concerned, as the case may be, will suffice. However, in respect of Advance licences issued for supply of Intermediate products, where such supplies are effected to a unit in FTZ/100% EOU such entries relating to supplies in the DEECs involved will have to be made by the Development Commissioner or the Customs/Central Excise Officer, as the case may be."</p>															
15.	291 (313)	Appendix-19 Para-24(6)	In the 7th line the word 'audited' shall be deleted.															
16.	291 (313)	Appendix-19 Para-27(1)	In the first line the word 'in' shall be substituted by 'within'.															

(1)	(2)	(3)	(4)
17.	292 (314)	Appendix-19 Para-28	This para shall be substituted by the following :— “28. An exporter under this scheme will not be entitled to any REP entitlement on exports effected in discharge of export obligation imposed against licence issued to him. However, in case of any excess quantity of exports the exporter will be entitled to normal REP in terms of Appendix-17 of this policy only for f.o.b. value realised towards export of excess quantity. For this purpose the proportionate f.o.b. value realised on the excess quantity of exports will be taken into account and the licensing authority concerned while redeeming the bond/legal agreement, will simultaneously issue Excess Entitlement Certificates entitling the registered exporter to claim replenishment licences. Such Excess Entitlement Certificates will be valid for a period of three months from the date of its issue and the registered exporters may prefer application for replenishment licences on the basis of these Excess Entitlement Certificates. It is clarified that the excess exports, if any, effected against DEEC cannot be adjusted against another DEEC as accounting of each DEEC has to be done separately.”
18.	293 (315)	Appendix-19 Para-30 Utilisation of exempted materials	This para shall be substituted by the following :— “30. Exempt materials imported against a licence under this scheme shall be utilised for the manufacture of the resultant products specified in the DEEC, except where it is by way of replenishment. Such materials shall not be loaned, sold, or transferred or disposed of otherwise under any circumstances. In cases where the export obligation has been partially or fully met before making any import against the licence, the manufacturer-exporter may utilise the replenished materials for further exports/domestic production and subject to actual user conditions. Similarly, the licensing authority may consider the request of merchant exporters for transfer of the replenished materials at landed cost of the exempt replenished materials to the supporting manufacturers concerned whose names appear in the DEEC for further export/domestic production and subject to actual user conditions.”
19.	293 (315)	Appendix-19 Para-32	The following shall be inserted after this para :— “Applicability of export policy : 32-A. Licences issued under this scheme shall be without prejudice to provisions of Export Policy in force.”
20.	294-305 (317—328)	Annexure I to Appendix-19	The entire Annexure I shall be substituted by Annexure ‘A’ to this Public Notice.

3. Attention is also invited to the Hand Book of Import-Export Procedures, 1985—88, published under the Ministry of Commerce/Public Notice No. 2-ITC(PN)/85—88 dated the 12th April, 1985. The following amendments shall be made in the said Hand Book at the appropriate places as indicated below :—

Sl. No.	Page No. of the Hand Book of Import-Export Procedures, 1985-88	Reference	Amendments
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	271 (295)	APPENDIX-XVI-A Part-II (Applicable to categories other than special Imprest Licensing) Sl. No. 2	After this Sl. No. the following new entry shall be inserted :— “2-A. Whether any Advance licence(s) have been issued in the past against the same export order/contract now applied for in this application, if so, the c.i.f. value/f.o.b. value indicated therein may be given along with the File No. of the Office of the CCI&E/Regional JCCI&E/Port Licensing Authority.”

(1)	(2)	(3)	(4)
2.	272 (295)	APPENDIX-XVI-A Part-II (Applicable for Special Imprest Licensing Scheme) Sl. No. 1	After this Sl. No., the following new entry shall be inserted :— “1-A. Whether any special Imprest Licence(s) have been issued in the past against the same supply order/contract now applied for in this application, if so, the c.i.f. value/f.o.b. value indicated thereon may be given alongwith the File No. of the office of the CCI&E/Regional JCCI&E/Port Licensing Authority.”
3.	273 (296)	APPENDIX-XVI-A Part-III	After the existing Part III in this Appendix, the following shall be inserted :— “Part-III-A Details of manufacturing activity involved : (1) Explain the process of manufacturing activity involved with the help of a flow chart in manufacturing the resultant product(s) against this application.”
4.	273 (296)	APPENDIX-XVI-A Part-IV Sl. No. 2	The existing description in Serial No. 2 shall be substituted by the following :— “2. Whether this application is on repeat basis, i.e. any advance licence(s) has been issued in the past on the recommendation of the Headquarters ALC for the same item(s) of export/import as per the same input-output norms now applied for. If so, quote the relevant file No. of the office of the CCI&E/Regional JCCI&E and Port Licensing authorities.”
5.	273 (296)	APPENDIX-XVI-A Part-IV Sl. No. 3	The existing description shall be substituted by the following :— “3. Particulars of all licences under Duty Exemption Scheme in respect of which export obligation is outstanding indicating the position in the following manner :—

Licence number & Date (Specify whether issued under production programme or against export order)	File No. of CCI&E/Regional JCCI&E/Port Licensing Authorities	The name of Licensing Authority	CIF value allowed	CIF value utilised	FOB value imposed
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

FOB value actually realised	Percentage of fulfilment of export obligation	Whether bank guarantee executed or legal undertaking given	Date of expiry of the valid export obligation period	Reasons for not fulfilling the export obligation
(7)	(8)	(9)	(10)	(11)

1	2	3	4
6.	275 (298)	Appendix-XVI-B Form of Application for making requests for extension in the export obligation periods under the Advance/Imprest Licences	(i) The description in Col. 3 of this Sl. No. shall be substituted by the following : "Quantity allowed for import and c.i.f. value." (ii) The description in Col. 4 of this Sl. No. shall be substituted by the following :— "Quantity actually imported and c.i.f. value."
		Sl. No. 4	
7.	275 (298)	Appendix-XVI-B Sl. No. 5 & 6.	The existing Col. Nos. 5 & 6 shall be deleted. The following shall be added as Col. 5 :— "Percentage of Export Obligation completed in terms of : Quantity Value "
8.	275 (298)	Appendix-XVI-B	After Sl. No. 5 the following new Sl. No. shall be inserted :— "5A. Date of clearance of first consignment of imported material."
9.	275 (298)	Appendix-XVI-B Sl. No. 11	The description in this Sl. No. shall be substituted by the following :— "(a) Whether you have been issued show cause notice by the licensing authority for non-fulfilment of export obligation; (b) If so, whether you have been declared a defaulter; (c) Whether forfeiture order of Bond with Bank Guarantee or legal agreement has been enforced by the licensing authority. Please give details thereof."
10.	280—284 (303—307)	Appendix-XVI-E Duty Exemption Entitlement Certificate	The following amendments shall be made in the certificate :— (i) In Part-I Import, in the 18th and 19th line, the words "and Banking No. 117-CUS dated 9-6-1978" shall be substituted by No. "44-Customs dated 19th February, 1987." (ii) In Part-D, the Description in Col. 7 shall be substituted by the following : "Heading No. of the first schedule to the Customs Tariff Act, 1975 and heading No. in the schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 for levy of additional duty." (iii) In Part-G, the description in Col. 5 shall be substituted by the following :— "Amount of (i) Duty (ii) Interest". (iv) In Part-H, the words in bracket of the last line of (b), "Clause (1) of" shall be deleted. (v) In Part-H, the existing description in (c) shall be substituted by the following : "(c) The exempt materials as specified in Sl. No. _____ of Part-D have been exported as mandatory spares as specified in S. No. _____ of Part-F." (vi) The existing Sl. No. (d) shall be re-numbered as (e) and following shall be added as (d) :— "(d) Materials corresponding to the exempt materials as specified in Sl. No.(s) _____ of Part D have been used in the manufacture of the goods exported as specified in Sl. No.(s) _____ of Part F."

4. The above amendments have been made in public interest.

5. The number in bracket in Column (2) indicate the page number in the amended Import-Export Policy Book and Hand Book of Import-Export Procedure, 1985—88.

R. I. MISRA, Chief Controller of Imports & Exports.

ANNEXURE 'A'

Annexure I To Appendix 19

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

No. 44/87-Customs

New Delhi, the 19th February, 1987

G.S.R. 101(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and in supersession of the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance, (Department of Revenue) No. 117/Customs [G.S.R. 318(E) dated the 9th June, 1978], the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods imported into India, against an Advance Licence issued under the Imports (Control) Order, 1955, or obtained against an Advance Release Order, being materials required to be imported for the purpose of manufacture of products (hereinafter referred to as the resultant products) or replenishment of materials used in the manufacture of the resultant products, or both, or for export as mandatory spares along with resultant products, for execution of one or more export orders, from the whole of the duty of customs leviable thereon which is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and from the whole of the additional duty leviable thereon under Section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely :

- (a) the materials imported are covered by a Duty Exemption Entitlement Certificate (hereinafter referred to as the said Certificate), issued by the licensing authority in the form specified in the Schedule to this Notification, in respect of the value, quantity, description, quality or technical characteristics, as specified in Part 'C' of the said Certificate ;
- (b) the importer at the time of clearance of the imported materials makes—
 - (i) a claim in writing to the Collector of Customs for such exemption and executes a bond or legal undertaking before such authority as may be approved by the Central Government for complying with the conditions specified in this Notification ;
 - (ii) a declaration before the Assistant Collector of Customs binding himself to pay on demand an amount equal to the duty leviable but for the exemption, on the imported materials in respect of which the conditions specified in this Notification have not been complied with ;
- (c) the goods corresponding to the resultant products and the mandatory spares, in respect of value, quantity, description, quality or technical characteristics, as specified in Part 'E' of the said Certificate are exported

within the time specified in the said Certificate or such extended period as may be granted by the Committee;

- (d) the exempt materials shall be utilised for the manufacture of resultant products specified in Part 'E' of the said Certificate or for export as mandatory spares, and no portion thereof shall be sold, loaned, transferred or disposed of in any other manner ;

Provided that where such exempt materials are imported for replenishment of materials used in the manufacture of resultant products exported, holder of an advance licence being a manufacturer-exporter may utilise the replenished materials for further production, subject to actual user conditions :

Provided further that the licensing authority may consider the request of holder of an advance licence not being a manufacturer-exporter for transfer of the replenished materials at landed cost, to the supporting manufacturer concerned, whose name appears in the said Certificate, for further production, subject to actual user condition;

- (e) in the case of goods being nylon fibre, nylon yarn, nylon fabrics, polyester fibre, polyester yarn, polyester fabrics, stainless steel sheets, stainless steel strips, magnetic tapes, precious metals, metals clad with precious metals and articles thereof, the import shall be only through any of the sea ports at Kandla, Bombay, Cochin, Madras, Visakhapatnam and Calcutta or through any of the airports at Bombay, Calcutta, Delhi, Madras and Bangalore or through either of the internal container depots at Delhi or Bangalore, and the export of resultant products in which such goods are used shall be only through any of the said sea ports or airports or internal container depots;
- (f) the import of mandatory spares shall not exceed 5 per cent of the value of the Advance Licence.

Explanation.—In this Notification—

- (i) "Committee" means the Inter-Departmental Committee as constituted by the Central Government under the Office Memorandum of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1(3)/66-FAC, dated the 26th June, 1967, for the time being in force, or as re-constituted by the Central Government from time to time;
- (ii) "exempt materials" means the materials imported and specified in Part 'C' of the said Certificate and eligible for exemption from duty under this Notification ;
- (iii) "imported against Advance Licence" includes goods imported under O.G.L. in terms of the Import and Export Policy for the time being in force, for which at the time of clearance out of customs control, a valid Advance Licence is produced by the exporter.

(iv) "Licensing authority" means an authority competent to grant a licence under the Imports (Control) Order, 1955 made under the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947).

(v) "mandatory spares" means parts of the resultant products which are to be compulsorily supplied as spares as per the relevant export order or contract for substitution if it becomes faulty or worn out.

(vi) "materials" means goods which are raw materials, components, intermediate products or consumables used in the manufacture of resultant products and their packings, or mandatory spares to be exported along with the resultant products.

(vii) "Obtained against Advance Release Order" means goods obtained in terms of a Release

Order from a canalising agency or a Public Sector trading or service agency allowed importation in bulk for servicing the requirements of the Advance Licence holders, where the goods are imported by the said agencies and warehoused in accordance with Chapter IX of the Customs Act, 1962 (52 of 1962);

(viii) "Release Order" means a Release Order issued by the Licensing authority under Duty Exemption Scheme (contained in the Import and Export Policy for the time being in force) on the concerned canalising or public sector trading and servicing agency, for release of goods already imported and warehoused under Chapter IX of the Customs Act, 1962 (52 of 1962);

(ix) "Resultant products" means the goods specified in Part 'E' of the said Certificate.

*Exemption of Auxiliary Duty is notified under the Customs Act separately.

